सामाजिक विज्ञान-10

समकालीन भारत-2 : भूगोल

अध्याय - 1 संसाधन एवं विकास

□ **स्मरणीय बिंदु-**

- संसाधन प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करेन के साधन हैं। वे आर्थिक रूप के कुशल और सांस्कृतिक रूप से स्वीकार्य हैं।
- संसाधन दो प्रकार के हो सकते हैं। प्राकृतिक और मानवीय हैं।
- प्राकृतिक संसाधन नदियों की तरह प्रकृति की देन है, जबकि मानव संसाधन में व्यक्तियों और मानव निर्मित संरचनाओं और संस्थानों की गुणवत्ता शामिल है।
- संसाधनों को उत्पत्ति के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है।
- सम्पूर्णता, स्वामित्व और विकास की स्थिति। ''उत्पत्ति के आधार पर संसाधन दो प्रकार के होते हैं अर्थात् जैविक संसाधन और अजैविक संसाधन, जबकि समाप्ति के आधार पर संसाधन नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय होते हैं।
- स्वामित्व के आधार पर संसाधन व्यक्तिगत होते हैं। समुदाय के स्वामित्व वाले, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संसाधन।
- विकास की स्थिति के आधार पर संसाधन हैं क्षमता, विकसित स्टॉक और भण्डार।
- संसाधनों के अंधाधुंध उपयोग न ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन परत की कमी, पर्यावरण प्रदूषण और भूमि क्षरण जैसी गंभीर वैश्विक समस्याओं को जन्म दिया है।
- ये समस्याएँ अंतर्राष्ट्रीय समुदायों की चिंता को आकर्षित करती हैं और एक नई अवधारणा यानी सतत् विकास के उदय का कारण बनती है।

अति लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. पट्टी कृषि किसे कहते हैं ?

उत्तर- मध्य हिमालय में सोपान अथवा सीढ़ीदार कृषि की जाती है। बड़े खेतों को पट्टियों में बाँटा जाता है। फसलों के बीच में घास की पट्टियाँ उगाई जाती है। ये पवनों द्वारा जनित बल को कमजोर करती है। इस तरीके को 'पट्टी कृषि' कहते हैं।

प्रश्न 2. समोच्च जुताई किसे कहते हैं ?

उत्तर- ढाल वाली भूमि पर समोच्च रेखाओं के समानांतर हल चलाने से ढाल के साथ जल बहाव की गति घटती है इसे 'समोच्च जुताई' कहा जाता है।

प्रश्न 3. चादर अपरदन किसे कहते हैं ?

उत्तर- कई बार जल विस्तृत क्षेत्र को ढँके हुए ढाल के साथ नीचे की ओर बहता है। ऐसी स्थिति में इस क्षेत्र की ऊपरी मृदा घुलकर जल के साथ बह जाती है। इसे 'चादर अपरदन' कहते हैं।

प्रश्न 4. राष्ट्रीय संसाधन किसे कहते हैं ?

उत्तर- तकनीकी तौर पर देश में पाये जाने वाले सभी संसाधन राष्ट्रीय संसाधन कहलाते हैं।

प्रश्न 5. मृदा निम्नीकरण से क्या आशय है ?

उत्तर- मृदा को कृषि योग्य न रहने देने की प्रक्रिया को भूमि निम्नीकरण या मृदा निम्नीकरण कहते हैं। मानवीय क्रियाकलापों के कारण न केवल भूमि का निम्नीकरण हो रहा है, बल्कि भूमि को नुकसान पहुँचाने वाली प्राकृतिक ताकतों को भी बल मिला है।

प्रश्न 6. उत्पत्ति के आधार पर संसाधन के प्रकार लिखिए।

उत्तर- उत्पत्ति के आधार पर संसाधन दो प्रकार के हैं-

(1) जैविक संसाधन (2) अजैविक संसाधन।

जैव संसाधन की प्राप्ति जीवमण्डल से होती है और इनमें जीवन व्याप्त है जैसे- मनुष्य, प्राणीजात आदि।

वे संसाधन जो निर्जीव वस्तुओं से बने है, अजैव संसाधन कहलाते हैं जैसे- चट्टानें, धातुएँ आदि।

प्रश्न 7. कृषि के लिए अनुपलब्ध भूमि के कोई दो बिन्दु लिखिए।

उत्तर- कृषि के लिए अनुपलब्ध भूमि के 2 बिन्दु निम्न हैं-

(1) बंजर तथा कृषि अयोग्य भूमि।

(2) गैर कृषि प्रयोजनों में लगाई गई भूमि। जैसे- इमारतें, सड़क, उद्योग आदि।

प्रश्न 8. सकल कृषित क्षेत्र कौनसा कहलाता है ?

उत्तर- कृषि भूमि के कुछ भाग पर वर्ष में एक से अधिक बार

फसलें बोई व काटी जाती है। जितने भू-भाग पर एक से अधिक बार फसल बोई जाती है, उसे उतनी ही बार कुल बोए गए क्षेत्र में जोड़ा जाता है। निवल बोया गया क्षेत्र : सकल बोया गया क्षेत्र शुद्ध अथवा निवल बोए गए क्षेत्र से अधिक होता है।

प्रश्न 9. मरुस्थलीय मिट्टी व जलोढ़ मिट्टी में कोई दो-अंतर लिखिए।

उत्तर- मरूस्थलीय व जलोढ़ मिट्टी में अंतर निम्न है-

क्र.	मरुस्थलीय मिट्टी	जलोड मिट्टी
(1)	ये मृदाएँ आमतौर पर रेतीली और लवणीय होती है।	जलोढ़ मृदा में रेत सिल्ट और मृत्तिका के विभिन्न अनुपात पाए जाते हैं।
(2)	इस मृदा को सही तरीके से सिंचित करके कृषि योग्य बनाया जा सकता है।	अधिक उपजाऊ होने के कारण गहन कृषि की जाती है।

प्रश्न 10. बांगर मिट्टी और खादर मिट्टी में दो अंतर लिखिए।

उत्तर- बांगर मिट्टी और खादर मिट्टी में निम्नलिखित अंतर हैं-

क्र.	बांगर मिट्टी	खादर मिट्टी
(1)	यह उत्तरी मैदान की उच्च भूमि है।	यह उत्तरी मैदानों की निचली भूमि है।
(2)	ऊँचाई के कारण बाढ़ का जल यहाँ तक नहीं पहुँच पाता है।	यह सम्पूर्ण भाग बाढ़ का मैदान है।

प्रश्न 11. मृदा अपरदन किसे कहते हैं ? मृदा अपरदन के कोई दो कारण लिखिए।

उत्तर- मृदा अपरदन- मृदा के कटाव और उसके बहाव की प्रक्रिया को मृदा अपरदन कहा जाता है। मृदा निम्नीकरण के दो कारण निम्न हैं-

(1) पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में अधिक सिंचाई भूमि निम्नीकरण के लिए उत्तरदायी है।

(2) गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में अति पशुचारण भूमि निम्नीकरण का मुख्य कारण है।

प्रश्न 12. एजेंडा 21 क्या है ?

उत्तर- यह एक घोषणा है जिसे 1992 में ब्राजील के शहर रियो डी जेनेरो में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और विकास सम्मेलन (UNCED) के तत्वावधान में राष्ट्रध्यक्षों द्वारा स्वीकृत किया गया था, इसका उद्देश्य भूमंडलीय सतत् पोषणीय विकास हासिल करना है।

प्रश्न 13. काली मिट्टी की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- इस मिट्टी का रंग काला होता है अतः इसे काली मिट्टी कहते हैं। इसकी दो विशेषताएँ निम्न हैं-

(1) इसकी अधिक समय तक नमी धारण करने की क्षमता प्रसिद्ध है।

(2) इसमें मिट्टी के पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं।

प्रश्न 14. संसाधन किसे कहते हैं ?

उत्तर- हमारे पर्यावरण में उपलब्ध वे सभी वस्तुएँ जो हमारे लिए उपयोगी है संसाधन कहलाते हैं। जैसे- हवा, पानी, मिट्टी।

प्रश्न 15. समाप्यता के आधार पर संसाधनों के प्रकारों के नाम लिखिए।

उत्तर- समाप्यता के आधार पर संसाधन दो प्रकार के होते हैं- नवीनीकरण और अनवीनीकरण संसाधन।

प्रश्न 16. मृदा संरक्षण के कोई दो उपाय लिखिए।

उत्तर- मुदा संरक्षण से आशय मिट्टी के बहाव को रोकना एवं उसे प्रदूषित होने से बचाना।

मृदा अपरदन को रोकने के उपाय-

(1) वृक्षारोपण करना।

(2) वृक्षों की कटाई पर रोक लगाना।

प्रश्न 17. नवीकरणीय संसाधन किसे कहते हैं ? उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर- वे संसाधन जो प्रकृति में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, जो कभी समाप्त नहीं होंगे, उन्हें नवीनीकरण संसाधन कहते हैं। जैसे- हवा, सौर ऊर्जा, जल ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा आदि।

प्रश्न 18. अनवीकरणीय संसाधन किसे कहते हैं ? उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर- वे संसाधन जो लम्बे समय तक उपयोग के बाद समाप्त हो जाएँगे, जिन्हें फिर से पुनः उत्पन्न नहीं किया जा सकता है, वे अनवीकरण संसाधन कहलाते हैं। जैसे- जीवाश्म ईंधन, धातु आदि।

प्रश्न 19. मरुस्थलीय मृदा की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- मरूस्थलीय मृदा की दो विशेषताएँ निम्न हैं-

(1) ये मृदाएँ आमतौर पर रेतीली और लवणीय होती हैं।

(2) शुष्क जलवायु और उच्च तापमान के कारण जलवाष्पन दर अधिक है और मृदाओं में ह्यूमस और नमी की मात्रा कम होती है।

प्रश्न 20. जलोढ़ मृदा की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर– पूर्वी तट के नदी डेल्टाओं पर जलोढ़ मृदा पाई जाती है। जलोढ़ मृदा की तीन विशेषताएँ-

(1) जलोढ़ मृदा अधिक उपजाऊ होती है, इसीलिए इस मृदा वाले क्षेत्रों में गहन कृषि की जाती है।

(2) जलोढ़ मृदाएँ पोटाश, फास्फोरस और चूनायुक्त होती है।

(3) इस मृदा में रेत, सिल्ट और मृतिका के विभिन्न अनुपात पाए जाते हैं।

प्रश्न 21. भारत में भू-संसाधन का उपयोग किन उद्देश्यों से किया जाता है ? कोई दो उद्देश्य लिखिए।

उत्तर– भारत में भू-संसाधन का उपयोग निम्न उद्देश्यों से किया जाता है-

(1) वनों के रूप में।

(2) कृषि के लिए उपलब्ध भूमि- इसमें बंजर तथा कृषि अयोग्य भूमि तथा गैर-कृषि प्रयोजनों में लगाई गई भूमि शामिल है।

(3) परती भूमि के अतिरिक्त अन्य कृषि अयोग्य भूमि- इसमें स्थायी चारागाह, अन्य गोचर भूमि, वृक्ष, वृक्ष फसलों आदि भूमि शामिल है।

प्रश्न 22. शुद्ध (निबल) बोया क्षेत्र किसे कहते हैं ?

उत्तर– वह भूमि जिस पर फसलें उगाई व काटी जाती है। उसे निविल बोया गया क्षेत्र अथवा शुद्ध बोया गया क्षेत्र कहते हैं।

प्रश्न 23. मृदा परिच्छेदिका का नामांकित चित्र बनाइए।

उत्तर–

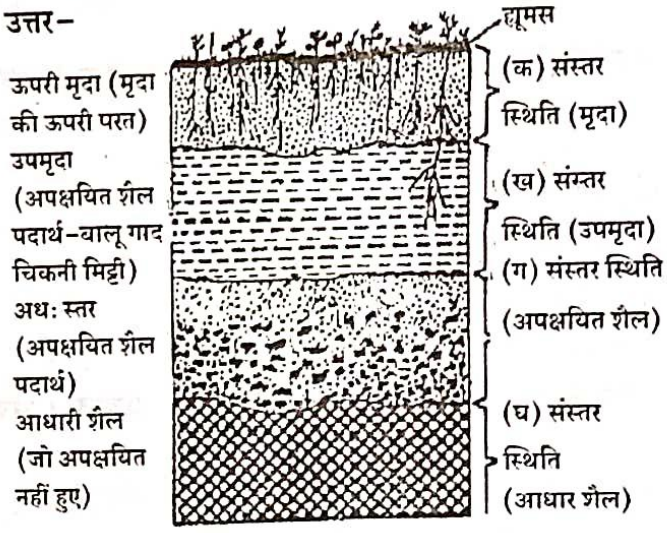

मृदा परिच्छेदिका

प्रश्न 24. स्वामितत्व के आधार पर संसाधनों के प्रकार लिखिए।

उत्तर– स्वामित्व के आधार पर चार प्रकार के संसाधन होते हैं- (1) निजी संसाधन, (2) सार्वजनिक, (3) राष्ट्रीय, (4) अंतर्राष्ट्रीय।

प्रश्न 25. भारत में संसाधनों के संरक्षण के कोई दो उपाय लिखिए।

उत्तर– संसाधन किसी भी प्रकार के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। किन्तु संसाधनों का विवेकहीन उपभोग और अति उपयोग के कारण कई सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरणीय समस्याएँ उत्पन्न हो सकती है। इनसे बचने के लिए विभिन्न स्तरों पर संसाधनों का संरक्षण आवश्यक है जैसे-

(1) राष्ट्र के विभिन्न प्रदेशों में संसाधनों की पहचान कर उनका प्रौद्योगिकी व तकनीकी रूप से प्रयोग करना।

(2) संसाधनों का विवेकपूर्ण प्रयोग करने के लिए विभिन्न योजनाएँ लागू करना।

प्रश्न 26. मृदा अपरदन के संसाधनों के अंधाधुन्ध उपयोग से उत्पन्न होने वाली कोई दो समस्याएँ लिखिए।

उत्तर– संसाधन जिस प्रकार, मनुष्य के जीवन यापन के लिए अति आवश्यक है, उसी प्रकार जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण है, किन्तु इनके अंधाधुंध प्रयोग से निम्न समस्याएँ उत्पन्न हो रही है- (1) वैश्विक पारिस्थितिकी संकट पैदा हो गया है। (2) पर्यावरण प्रदूषण और भूमि निम्नीकरण के कारण अनेक प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न हो रही है।

प्रश्न 27. भारत में पाई जाने वाली किन्हीं दो मृदाओं की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर– भारत में विभिन्न प्रकार की मृदाएँ पायी जाती है, जिनमें से प्रमुख मृदाएँ व उनकी विशेषताएँ निम्न हैं-

1. जलोढ़ मिट्टी– (1) यह अत्यधिक उपजाऊ मृदा है व सम्पूर्ण उत्तरी मैदान में यही मिट्टी पायी जाती है। (2) यह कृषि के लिए बहुत उपयोगी है।

2. काली मिट्टी– (1) अधिक समय तक नमी धारण करने की क्षमता होती है। (2) इसमें पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं।

प्रश्न 28. संसाधनों के अंधाधुन्ध उपयोग से उत्पन्न होने वाली कोई दो समस्याएँ लिखिए।

उत्तर– देखिए अध्याय-1, अति लघउ उत्तरीय प्रश्न क्रमांक 27 का उत्तर।

प्रश्न 29. भारत में सबसे अधिक कौन-सी मिट्टी पाई जाती है? इसकी कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर– भारत में सबसे अधिक 'जलोढ़ मिट्टी' पाई जाती है। यह देश की महत्वपूर्ण मृदा है, इसकी दो विशेषताएँ निम्न हैं-

(1) यह मिट्टी सबसे अधिक उपजाऊ होती है।

(2) इसमें साधारणतया पोटाश, फॉस्फोरिक अम्ल तथा चूना पर्याप्त मात्रा में होता है। ❑